दर्शना जरदोश
DARSHANA JARDOSH

रेल एवं वस्त्र राज्य मंत्री
भारत सरकार
MINISTER OF STATE FOR
RAILWAYS AND TEXTILES
GOVERNMENT OF INDIA

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

14 सितंबर, 2022

संदेश

आप सभी को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

किसी भी देश के विकास एवं सुख समृद्धि का आधार भाषा होती है। भाषा मनुष्य के भाव-संप्रेषण का उचित माध्यम होती है। देश में विविध भाषाओं एवं संस्कृतियों के बावजूद, सम्पूर्ण देश को जोड़ने का काम हिंदी बखूबी कर रही है। इसकी इसी खासियत को ध्यान में रखते हुए देश की आजादी के दौरान इसे समस्त देशवासियों को एकता के सूत्र में जोड़ने का माध्यम बनाया गया था। देश को आजादी मिलने के बाद, संविधान सभा द्वारा 14 सितंबर 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा का दर्जा प्रदान किया गया था। तभी से प्रत्येक वर्ष 14 सितंबर को **'हिंदी दिवस'** के रूप में मनाया जाता है।

भूमण्डलीकरण के इस दौर में हिंदी के कार्यक्षेत्र का विस्तार करने के लिए सरकारी कामकाज में सरल हिंदी का प्रयोग किया जाए ताकि हिंदीतर प्रांतों के लोग भी हिंदी में लिखे पत्र आदि को आसानी से समझ सकें। टेलिविजन, फिल्मों और विज्ञापनों आदि के कारण आज हिंदी तो पूरे देश में लोकप्रिय हो गई है मगर सरकारी काम-काज में अभी भी राजभाषा हिंदी अपना निर्धारित स्थान प्राप्त नहीं कर सकी है। भाषा सरकार और जनता के बीच संवाद का उचित माध्यम होती है। हम सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करके ही सरकार की योजनाओं का लाभ देश के आम नागरिकों तक पहुंचा सकते हैं।

हम सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करके ही अपने देश को आत्म निर्भर और दूसरे देशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने योग्य बना सकते हैं। वस्त्र क्षेत्र देश के आम नागरिकों से जुडा हुआ है जिनमें से अधिकांश लोग हिंदी बोलने और समझने वाले हैं, इसलिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का प्रचार, विज्ञापन, पत्राचार आदि हिंदी भाषा में करके ही इनका लाभ हम उन तक पहुंचा सकते हैं। अपना सरकारी काम राजभाषा हिंदी में करके हम न केवल सरकार की योजनाओं का प्रचार-प्रसार देश के अधिकतम नागरिकों तक करेंगे, बल्कि ऐसा करके हम इस क्षेत्र से जुड़े लोगों को विदेशों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में भी सक्षम बनाएंगे।

देश की आजादी के इस अमृत महोत्सव वर्ष में वस्त्र मंत्रालय एवं इसके प्रशासनिक नियंत्रणाधीन कार्यालयों में कार्यरत सभी अधिकारियों/कर्मचारियों से मेरी अपेक्षा है कि आज **हिंदी दिवस** के इस अवसर पर हम यह निश्चय करें कि सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी का प्रयोग अधिक से अधिक करने का प्रयास करेंगे।

दर्शना जरदोश

(दर्शना जरदोश)